भारत और रूस के संबंधों का इतिहास बहुत पुराना

गोहाना मुद्रिका, 9 सितंबर : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मंगलवार को रूसी भाषा एवं रूस में शिक्षा के अवसरों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। अध्यक्षता प्रिंसिपल सुमिता सिंह ने की।

सुमिता सिंह ने कहा कि भारत और रूस के संबंधों का इतिहास बहुत पुराना है, जो साझा हितों, पारस्परिक विश्वास और लंबे समय से चले आ रहे सहयोग पर आधारित है। इसमें अर्थव्यवस्था, राजनीतिक सुरक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि दूसरी भाषा सीखना केवल शब्दावली का विस्तार नहीं है, बल्कि यह नई सोच, दृष्टिकोण और विभिन्न संस्कृतियों को समझने का एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है।

मुख्य अतिथि रशियन स्कॉलर नज्येझदा एवं विदेशी भाषा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विदुषीरही ।डॉ. विदुषी ने कहा कि रूसी भाषा सीखने से ट्रांसलेटर , अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यटन, तेल एवं गैस, रक्षा, इंजीनियरिंग, आई.टी., शिक्षण एवं बहुराष्ट्रीय निगमों में संभावनाएं मौजूद हैं।

जागरूकता रैली के साथ बी.पी.एस. में पोषण माह प्रारंभ

गोहाना मुद्रिका, 9 सितंबर : "अपनी थाली संतुलित करें, जीवन संतुलित करें" के नारे के साथ मंगलवार को बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग (खाद्य एवं पोषण विभाग) में पोषण माह का शुभारंभ हुआ। शुरुआत पोषण जागरूकता रैली से हुई, जिसे वी.सी. प्रो. सुदेश एवं रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने ध्वज दिखाकर रवाना किया।

प्रो. सुदेश ने कहा कि पोषण केवल भोजन का विषय नहीं है, यह हमारे स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की नींव है। संतुलित आहार शरीर को ऊर्जा, मस्तिष्क को एकाग्रता और जीवन को सशक्त बनाता है।

उन्होंने कहा कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में हम अक्सर सुविधा को प्राथमिकता देते हैं और पोषण को नजरअंदाज कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

वी.सी. ने कहा कि पोषण माह के अंतर्गत हम खानपान की आदतों की समीक्षा करें और अपने जीवन में स्वास्थ्यप्रद विकल्प अपनाएं। स्थानीय एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थों को अपनाना, भोजन की बर्बादी को कम करना और संतुलित थाली पर ध्यान देना हम सभी की ज़िम्मेदारी है। प्रो. सुदेश ने कहा कि संतुलित आहार ही सशक्त जीवन की कुंजी है।

इस अवसर पर संकाय सदस्य प्रो. डॉ. बीनू, प्रो. डॉ. नूतन एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. परविंदर कौर भी उपस्थित रहीं।

संतुलित आहार शरीर को ऊर्जा, मस्तिष्क को एकाग्रता और जीवन को बनाता है सशक्त : कुलपति

पोषण रैली को रवाना करते कुलपति प्रो सुदेश व कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव।

गोहाना, 9 सितम्बर (रामनिवास धीमान): अपनी थाली संतुलित करें, जीवन संतुलित करें। इस ऊर्जावान नारे के साथ आज उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग (खाद्य एवं पोषण विभाग) में पोषण माह का शुभारंभ हुआ। दिन की शुरुआत रंगारंग पोषण रैली से हुई, जिसे कुलपति प्रो. सुदेश एवं रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने ध्वज दिखाकर रवाना किया। छात्राओं को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि पोषण केवल भोजन का विषय नहीं है, यह हमारे स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की नींव है। संतुलित आहार शरीर को ऊर्जा, मस्तिष्क को एकाग्रता और जीवन को सशक्त बनाता है। कुलपति ने कहा कि पोषण माह के अंतर्गत हम खानपान की आदतों की समीक्षा करें और अपने जीवन में स्वास्थ्यप्रद विकल्प अपनाएं। इस अवसर पर संकाय सदस्य प्रो. डॉ. बीनू, प्रो. डॉ. नूतन एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. परविंदर कौर भी उपस्थित रहीं। इस उद्घाटन कार्यक्रम ने पूरे माह चलने वाली गतिविधियों की रूपरेखा तय की, जिसमें बीएमआई जांच, पोषण शिविर, रेसिपी प्रदर्शन, कार्यशालाएं और विशेषज्ञ व्याख्यान शामिल होंगे।

विद्यालय में रूसी भाषा एवं शिक्षा के अवसरों पर व्याख्यान का आयोजन

रुसी अतिथियों का स्वागत करते प्राचार्य सुमिता सिंह।

गोहाना, 9 सितम्बर (रामनिवास धीमान): उपमंडल के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रूसी भाषा एवं रूस में शिक्षा के अवसरों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य सुमिता सिंह द्वारा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रशियन स्कॉलर नज्येझदा एवं विदेशी भाषा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विदुषी उपस्थित रही। डॉ. विदुषी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि रूसी भाषा सीखने से कैरियर के अनेक अवसर मिलते हैं। इसमें ट्रांसलेटर, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, पर्यटन, तेल एवं गैस, रक्षा, इंजीनियरिंग, आईटी, शिक्षण एवं बहुराष्ट्रीय निगमों में संभावनाएं मौजूद है। नज्येझदा ने छात्राओं को रूसी संस्कृति एवं शिक्षा प्रणाली से परिचित करवाते हुए बताया कि छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्राएं रूसी विश्वविद्यालयों में विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं। प्राचार्य सुमिता सिंह ने कहा कि दूसरी भाषा सीखना केवल शब्दावली का विस्तार नहीं है, बल्कि यह नई सोच, दृष्टिकोण और विभिन्न संस्कृतियों को समझने का एक महत्त्वपूर्ण जीवन कौशल है। कार्यक्रम का संचालन शालिनी एवं समीक्षा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राएं एवं स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे।

रूसी भाषा संवारेगी कॅरिअर : डॉ. विदुषी

रशियन स्कॉलर ने रूसी संस्कृति और शिक्षा प्रणाली की दी जानकारी

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रूसी भाषा एवं रूस में शिक्षा के अवसरों पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि रशियन स्कॉलर नज्येझदा व विदेशी भाषा विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. विदुषी रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य सुमिता सिंह ने की।

डॉ. विदुषी ने कहा कि रूसी भाषा सीखने से कॅरिअर के कई अवसर मिल सकते हैं। इसमें ट्रांसलेटर, अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यटन, तेल एवं गैस, रक्षा, इंजीनियरिंग, आईटी, शिक्षण एवं बहुराष्ट्रीय निगमों में संभावनाएं मौजूद हैं।

रशियन स्कॉलर नज्येझदा ने रूसी संस्कृति एवं शिक्षा प्रणाली से छात्राओं को परिचित करवाते हुए बताया कि छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्राएं रूसी विश्वविद्यालयों में विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं।

प्राचार्य सुमिता सिंह ने कहा कि भारत व रूस के संबंधों का इतिहास बहुत पुराना है जो साझा हितों, पारस्परिक विश्वास, लंबे समय से चले आ रहे सहयोग पर आधारित है। इसमें अर्थव्यवस्था, राजनीतिक सुरक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं।

सोनीपत के गोहाना के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रूसी अतिथियों का स्वागत करती प्राचार्य सुमिता सिंह व छात्राएं। स्रोत : विद्यालय

बीपीएस महिला विवि के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय व्याख्यान का आयोजन

दूसरी, भाषा सीखना केवल शब्दावली का विस्तार नहीं बल्कि नई सोच, दृष्टिकोण, विभिन्न संस्कृतियों को समझने का महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। कार्यक्रम का संचालन शालिनी व समीक्षा ने किया।

रूसी भाषा सीखने से मिलते हैं करियर के विभिन्न अवसर

हाना. रूसी दल के सदस्यों के साथ प्राचार्य।

भास्कर न्यूज | गोहाना

पीएस महिला विवि के कन्या कुल वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल में सी भाषा एवं रूस में शिक्षा के वसरों पर व्याख्यान आयोजित या गया। रशियन स्कॉलर येझदा व विदेशी भाषा विभाग असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विदुषी छात्राओं को रूसी भाषा का त्व समझाया।

उन्होंने कहा कि रूसी भाषा खने से करियर के विभिन्न वसर मिलते हैं। इसमें ट्रांसलेटर, रराष्ट्रीय संबंध, पर्यटन, तेल गैस, रक्षा, इंजीनियरिंग, ईटी, शिक्षण एवं बहुराष्ट्रीय मों में संभावनाएं मौजूद हैं। येझदा ने छात्राओं को रूसी कृति एवं शिक्षा प्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्राएं रूसी विश्वविद्यालयों में विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं। स्कूल प्राचार्य सुमिता सिंह ने कहा कि भारत और रूस के संबंधों का इतिहास बहुत पुराना है, जो साझा हितों, पारस्परिक विश्वास और लंबे समय से चले आ रहे सहयोग पर आधारित है। इसमें अर्थव्यवस्था, राजनीतिक सुरक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति समेत कई क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी भाषा सीखना केवल शब्दावली का विस्तार नहीं है, बल्कि यह नई सोच, दृष्टिकोण और विभिन्न संस्कृतियों को समझने का एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। इस कार्यक्रम का संचालित शालिनी व समीक्षा ने किया।

पोषण भोजन ही नहीं, स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की नींव

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि के गृह विज्ञान विभाग में मंगलवार को अपनी थाली संतुलित करें-जीवन संतुलित करें थीम पर पोषण माह का शुभारंभ हुआ। इसकी शुरुआत पोषण रैली के माध्यम से की गई। पोषण रैली को कुलपति प्रो. सुदेश व कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली के जरिए छात्राओं ने पोषण का संदेश दिया। अब पूरे माह विवि में बीएमआई जांच, पोषण शिविर, रेसिपी प्रदर्शन, कार्यशालाएं और विशेषज्ञ व्याख्यान होंगे।

प्रो. सुदेश ने कहा कि पोषण केवल भोजन का विषय नहीं है। यह हमारे स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की नींव है। संतुलित आहार शरीर को ऊर्जा, मस्तिष्क को एकाग्रता और जीवन को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में हम अक्सर सुविधा को प्राथमिकता देते हैं और पोषण को नजरअंदाज कर देते हैं।

इसके परिणामस्वरूप कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। ऐसे में पोषण माह के अंतर्गत हम खानपान की आदतों की समीक्षा करें और अपने जीवन में स्वास्थ्यप्रद विकल्प अपनाएं। स्थानीय एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थों को अपनाना, भोजन की बर्बादी को कम करना और संतुलित थाली पर ध्यान देना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने छात्राओं व स्टाफ से संतुलित आहार और स्वस्थ जीवन शैली को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संतुलित आहार ही सशक्त जीवन की कुंजी है। इस मौके पर प्रो. बीनू, प्रो. नूतन, सहायक प्रोफेसर डॉ. परविंदर कौर आदि मौजूद रहे।

पोषण जागरूकता रैली को झंडी दिखाते हुए प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

पोषण केवल भोजन का विषय नहीं, यह स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की नींव है : प्रो. सुदेश

गोहाना, 9 सितम्बर (अरोड़ा): 'अपनी थाली संतुलित करें, जीवन संतुलित करें' के नारे के साथ मंगलवार को बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग (खाद्य एवं पोषण विभाग) में पोषण माह का शुभारंभ हुआ। शुरुआत पोषण जागरूकता रैली से हुई, जिसे वी.सी. प्रो. सुदेश एवं रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने ध्वज दिखाकर रवाना किया।

प्रो. सुदेश ने कहा कि पोषण केवल भोजन का विषय नहीं है, यह हमारे स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की नींव है। आज की तेज रफ्तार जीवनशैली में हम अक्सर सुविधा को प्राथमिकता देते हैं और पोषण को नजरअंदाज कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। वी.सी. ने कहा कि पोषण माह के अंतर्गत हम खानपान की आदतों की समीक्षा करें और अपने जीवन में स्वास्थ्यप्रद विकल्प अपनाएं। इस अवसर पर संकाय सदस्य प्रो. डॉ. बीनू, प्रो. डॉ. नूतन एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. परविंदर कौर भी उपस्थित रहीं।

स्वस्थ रहना है तो थाली को करें संतुलित : प्रो. सुदेश

कुलपति प्रो . सुदेश पोषण रैली को रवाना करते हुए • सौ. प्रवक्ता

वि., गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में मंगलवार को पोषण माह का शुभारंभ हुआ। छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली। रैली को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो . सुदेश और कुलसचिव प्रो . शिवालिक यादव ने रवाना किया। कुलपति ने कहा कि पोषण केवल भोजन का विषय नहीं है अपितु यह हमारे स्वस्थ जीवन की नींव है। स्वस्थ जीवन के लिए हमें सर्वप्रथम अपनी खाने की थाली को संतुलित करना होगा। संतुलित आहार शरीर को ऊर्जा, मस्तिष्क को एकाग्रता और जीवन को सशक्त बनाता है। आज की तेज रफ्तार जीवन शैली में हम सुविधा को प्राथमिकता देते हैं और पोषण को नजरअंदाज कर देते हैं। इसके चलते कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। कुलपति ने कहा कि पोषण माह के अंतर्गत हम खानपान की आदतों की समीक्षा करें और अपने जीवन में स्वास्थ्यप्रद विकल्प अपनाएं। इस अवसर पर प्रो . बीनू, प्रो . नूतन, सहायक प्रोफेसर डा . परविंद्र कौर रहे।

रूसी भाषा सीखने पर कॅरियर निर्माण की अच्छी संभावनाएं

कन्या गुरुकुल विद्यालय में व्याख्यान का आयोजन

- भारत और रूस के संबंधों का इतिहास बहुत पुराना : प्राचार्य
- कार्यक्रम का संचालन शालिनी एवं समीक्षा ने किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

गोहाना। रूसी अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यालय की प्राचार्या सुमिता सिंह।

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रूसी भाषा एवं रूस में शिक्षा के अवसरों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या सुमिता सिंह ने की। मुख्य अतिथि रशियन स्कॉलर नज्येझबा एवं विदेशी भाषा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विदुषी ने कहा कि रूसी भाषा सीखने से कॅरियर के अनेक अवसर मिलते हैं। इसमें ट्रांसलेटर, अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यटन, तेल एवं गैस, रक्षा, इंजीनियरिंग, आईटी, शिक्षण एवं बहुराष्ट्रीय निगमों में कॅरियर निर्माण की अच्छी संभावनाएं हैं। नज्येझदा ने छात्राओं को रूसी संस्कृति एवं शिक्षा प्रणाली से परिचित करवाते हुए बताया कि छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्राएं रूसी विश्वविद्यालयों में विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं। प्राचार्या सुमिता सिंह ने कहा कि भारत और रूस के संबंधों का इतिहास बहुत पुराना है, जो साझा हितों, पारस्परिक विश्वास और लंबे समय से चले आ रहे सहयोग पर आधारित है। कार्यक्रम का संचालन शालिनी एवं समीक्षा ने किया।

महिला विवि के गृह विज्ञान विभाग में पोषण माह कार्यक्रम के शुभारंभ पर कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा

स्वस्थ जीवन के लिए थाली को करें संतुलित

रैली को विवि की कुलपति प्रो. सुदेश और कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव ने झंडी दिखाकर रवाना किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि), खानपुर कलां के गृह विज्ञान (खाद्य एवं पोषण विभाग) में मंगलवार को पोषण माह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ पर विभाग की छात्राओं ने जागरूकता रैली निकाली। रैली को विवि की कुलपति प्रो. सुदेश और कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव ने हरी झंडी

गोहाना। पोषण रैली को रवाना करती कुलपति प्रो. सुदेश व कुलसचिव प्रो. शिवालिक यादव। फोटो : हरिभूमि

दिखाकर रवाना किया। कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि पोषण केवल भोजन का विषय नहीं है अपितु यह हमारे स्वस्थ जीवन की नींव है। स्वस्थ जीवन के लिए हमें सर्वप्रथम अपनी खाने की थाली को संतुलित करना होगा। संतुलित आहार शरीर को ऊर्जा, मस्तिष्क को एकाग्रता और जीवन को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि आज की तेज रफ्तार जीवन शैली में हम सुविधा को प्राथमिकता देते हैं और पोषण को नजरअंदाज कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो जाती हैं। कुलपति ने कहा कि पोषण माह के अंतर्गत हम खानपान की आदतों की समीक्षा करें और अपने जीवन में स्वास्थ्यप्रद विकल्प अपनाएं। स्थानीय एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थों को अपनाना, भोजन की बर्बादी को कम करना और संतुलित थाली पर ध्यान देना हम सभी की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर संकाय सदस्य प्रो. डॉ. बीनू, प्रो. डॉ. नूतन एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. परविंदर कौर उपस्थित रहीं।

"अपनी थाली संतुलित करें, जीवन संतुलित करें " नारे के साथ बीपीएसएमवी मे पोषण माह का हुआ शुभारंभ

जन जागरण सन्देश

खानपुर कलां / गोहाना, (अनिल जिंदल), 09 सितम्बर । "अपनी थाली संतुलित करें, जीवन संतुलित करें!" - इस ऊर्जावान नारे के साथ आज भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग (खाद्य एवं पोषण विभाग) में पोषण माह का शुभारंभ हुआ। दिन की शुरुआत रंगारंग पोषण रैली से हुई, जिसे कुलपति प्रो. सुदेश एवं रजिस्ट्रार प्रो. शिवालिक यादव ने ध्वज दिखाकर रवाना किया। छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि पोषण केवल भोजन का विषय नहीं है, यह हमारे स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की नींव है। संतुलित आहार शरीर को ऊर्जा, मस्तिष्क को एकाग्रता और जीवन को सशक्त बनाता है। उन्होंने कहा कि आज की तेज़ रफ्तार जीवनशैली में हम अक्सर सुविधा को प्राथमिकता देते हैं और पोषण को नजरअंदाज कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप कई स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न होती हैं। कुलपति ने कहा कि पोषण माह के अंतर्गत हम खानपान की आदतों की समीक्षा करें और अपने जीवन में स्वास्थ्यप्रद विकल्प अपनाएँ। स्थानीय एवं पारंपरिक खाद्य पदार्थों को अपनाना,भोजन की बर्बादी को कम करना और संतुलित थाली पर ध्यान देना हम सभी की ज़िम्मेदारी है। कुलपति ने विश्वविद्यालय की सभी छात्राओं, शिक्षकों और स्टाफ से आह्वान करते हुए कहा कि संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं और याद रखें संतुलित आहार ही सशक्त जीवन की कुंजी है। इस अवसर पर संकाय सदस्य प्रो. डॉ. बीनू, प्रो. डॉ. नूतन एवं सहायक प्रोफेसर डॉ. परविंदर कौर भी उपस्थित रहीं। इस उद्घाटन कार्यक्रम ने पूरे माह चलने वाली गतिविधियों की रूपरेखा तय की, जिसमें बीएमआई जाँच, पोषण शिविर, रेसिपी प्रदर्शन, कार्यशालाएं और विशेषज्ञ व्याख्यान शामिल होंगे।

कन्या गुरुकुल खानपुर में रूसी भाषा एवं रूस मे शिक्षा के अवसरों पर व्याख्यान का आयोजन

पल पल न्यूज: खानपुर कलां / गोहाना, 09 सितम्बर, (अनिल जिंदल)। भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रूसी भाषा एवं रूस में शिक्षा के अवसरों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुमिता सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रशियन स्कॉलर श्रीमती नज्येझदा एवं विदेशी भाषा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विदुषी उपस्थित रही। डॉ. विदुषी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि रूसी भाषा सीखने से करियर के अनेक अवसर मिलते हैं। इसमें ट्रांसलेटर, अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यटन, तेल एवं गैस, रक्षा, इंजीनियरिंग, आईटी, शिक्षण एवं बहुराष्ट्रीय निगमों में संभावनाएं मौजूद हैं। श्रीमती नज्येझदा ने छात्राओं को रूसी संस्कृति एवं शिक्षा प्रणाली से परिचित करवाते हुए बताया कि छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्राएं रूसी विश्वविद्यालयों में विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं। प्राचार्य श्रीमती सुमिता सिंह ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भारत और रूस के संबंधों का इतिहास बहुत पुराना है, जो साझा हितों, पारस्परिक विश्वास और लंबे समय से चले आ रहे सहयोग पर आधारित है। इसमें अर्थव्यवस्था, राजनीतिक सुरक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी भाषा सीखना केवल शब्दावली का विस्तार नहीं है, बल्कि यह नई सोच, दृष्टिकोण और विभिन्न संस्कृतियों को समझने का एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। कार्यक्र म का सफल संचालन श्रीमती शालिनी एवं श्रीमती समीक्षा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राएं एवं स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे।

कन्या गुरुकुल के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में "रूसी भाषा एवं रूस मे शिक्षा के अवसरों" पर व्याख्यान का आयोजन

गोहाना, वायरल सच (अनिल जिंदल) : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रूसी भाषा एवं रूस में शिक्षा के अवसरों पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सुमिता सिंह ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रशियन स्कॉलर श्रीमती नज्येझदा एवं विदेशी भाषा विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. विदुषी उपस्थित रही। डॉ. विदुषी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि रूसी भाषा सीखने से करियर के अनेक अवसर मिलते हैं। इसमें ट्रांसलेटर , अंतरराष्ट्रीय संबंध, पर्यटन, तेल एवं गैस, रक्षा, इंजीनियरिंग, आईटी, शिक्षण एवं बहुराष्ट्रीय निगमों में संभावनाएं मौजूद हैं। श्रीमती नज्येझदा ने छात्राओं को रूसी संस्कृति एवं शिक्षा प्रणाली से परिचित करवाते हुए बताया कि छात्रवृत्ति के माध्यम से छात्राएं रूसी विश्वविद्यालयों में विभिन्न क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं। प्राचार्य श्रीमती सुमिता सिंह ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भारत और रूस के संबंधों का इतिहास बहुत पुराना है, जो साझा हितों, पारस्परिक विश्वास और लंबे समय से चले आ रहे सहयोग पर आधारित है। इसमें अर्थव्यवस्था, राजनीतिक सुरक्षा, विज्ञान एवं संस्कृति जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दूसरी भाषा सीखना केवल शब्दावली का विस्तार नहीं है, बल्कि यह नई सोच, दृष्टिकोण और विभिन्न संस्कृतियों को समझने का एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। कार्यक्रम का सफल संचालन श्रीमती शालिनी एवं श्रीमती समीक्षा ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राएं एवं स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहे।